Civil Services (Main)
Examination- 2025

वियोज्य DETACHABLE

वाणिज्य व लेखाविधि (प्रश्न-पत्र II)

COMMERCE AND ACCOUNTANCY (Paper II)

निर्धारित समय : तीन घंटे *Time Allowed : Three Hours*	*अधिकतम अंक : 250* *Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।

परीक्षार्थी को कुल **पांच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

यदि आवश्यक हो, तो उपयुक्त आँकड़ों का चयन कीजिए, तथा उनको स्पष्टतया निर्दिष्ट कीजिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशत दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Questions No. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** questions are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Assume suitable data, if considered necessary, and indicate the same clearly.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये :
Answer each of the following questions in about 150 words : 10×5=50

1.(a) गुणवत्ता कार्य जीवन (क्यू डब्ल्यू एल) तथा संगठनात्मक निष्पादन के मध्य सम्बन्ध ।
Relationship between quality work life (QWL) and organisational performance. 10

1.(b) व्यक्तित्व के निर्धारक
Determinants of Personality 10

1.(c) संगठन के बाह्य-वातावरण के प्रकार
Types of external-environment of organisation 10

1.(d) संगठनात्मक संरचना के प्रकार
Types of Organisational Structure 10

1.(e) संगठन का नव-शास्त्रीय सिद्धान्त
Neo-classical theory of organisation 10

2.(a) "संगठनात्मक अभिकल्प केवल संरचना के बारे में नहीं है वरन् यह लोगों, प्रक्रियाओं और उद्देश्यों को निरन्तर-बदलते वातावरण में रणनीतिक रूप से सरेखित करने की प्रक्रिया है ।" विवेचना कीजिए ।
"Organisational design is not merely about structure, but about strategically aligning people, processes, and objectives in an ever-changing environment." Discuss. 20

2.(b) 'पी डी सी ए' (PDCA) की अवधारणा को समझाइये । इसकी विशेषताओं, अनुप्रयोग, लाभों और सीमाओं का विस्तार से उल्लेख कीजिये ।
Explain the concept of PDCA. State in detail its features, application, advantages and limitations. 20

2.(c) अनुभूति की प्रक्रिया को समझाइये तथा विवेचना कीजिये कि अनुभूति संबंधी विकृतियाँ कैसे बदलते संगठनात्मक वातावरण में प्रबन्धकीय निर्णयन को प्रभावित कर सकती है ।
Explain the process of perception and discuss how perceptual distortions can influence managerial decision-making in changing organisational environment. 10

3.(a) संगठन में सामान्यतः पाई जाने वाली नेतृत्व की विभिन्न शैलियों को समझाइये । मूल्यांकन कीजिये कि ये नेतृत्व शैलियाँ कर्मचारी की अभिप्रेरणा, निष्पादन और संगठनात्मक संस्कृति को कैसे प्रभावित कर सकती है ।
Explain the different leadership styles commonly found in organisations. Evaluate how such leadership styles can influence employee motivation, performance and organisational culture. 20

3. (b) एक प्रोजेक्ट आधारित संगठनात्मक संरचना लक्ष्य स्पष्टता और लचीलेपन को किस हद तक बढ़ाती है तथा दीर्घकालिक रणनीतिक विकास के लिये यह दृष्टिकोण कितना टिकाऊ है ?
To what extent does a project based organisational structure enhances goal clarity and flexibility and how sustainable in this approach for long-term strategic growth ? 20

3. (c) विवेचना कीजिये कि एक संगठन में यान्त्रिक एवं जैविक संरचनाऐं निर्णयन, संचार एवं लोचशीलता को कैसे प्रभावित करते हैं।
Discuss how mechanistic and organic structures affect decision-making, communication and flexibility within an organisation. 10

4. (a) शक्ति के विभिन्न स्रोतें संगठन की औपचारिक और अनौपचारिक शक्ति संरचना को कैसे प्रभावित करते हैं और नेतृत्व प्रभावशीलता एवं नैतिक निर्णयन के लिये इनके क्या परिणाम होते हैं ?
How do different sources of power influence the formal and informal power structures within an organisation, and what are the implications for leadership effectiveness and ethical decision-making ? 20

4. (b) "प्रायः संगठन कई बार तथा कभी-कभार परस्पर विरोधी लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।" इस कथन का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। ये विरोधी लक्ष्य संगठन की रणनीति, निर्णयन और निष्पादन को कैसे प्रभावित करते हैं ? विस्तार से व्याख्या कीजिये।
"Organisations often pursue multiple and sometimes conflicting goals." Critically evaluate this statement. How these conflicting goals affect organisational strategy, decision-making and performance ? Elaborate. 20

4. (c) किसी संगठन में प्रभावी समन्वय की प्राप्ति में प्रमुख चुनौतियाँ क्या है तथा ये समग्र निष्पादन को कैसे प्रभावित करती है ? विवेचना कीजिए।
What are the major challenges in achieving effective coordination in an organisation and how does it impact overall performance ? Discuss 10

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिये :
Answer each of the following questions in about 150 words : 10×5=50

5. (a) कार्य मूल्यांकन तथा आन्तरिक समता
Job evaluation and internal equity 10

5. (b) परम्परागत कार्य विनिर्देशनों का प्रभाव
Impact of traditional job specifications 10

5. (c) अनुपस्थिति का प्रभाव
Impact of absenteeism 10

5. (d) वेतन एवं मजदूरी प्रशासन को प्रभावित करने वाले कारक
Factors influencing salary and wage administration. 10

5. (e) औद्योगिक विवादों के कारण
Causes of Industrial Disputes 10

6. (a) "निष्पादन मूल्यांकन केवल मूल्यांकन के लिये नहीं होता है वरन् निष्पादन की प्राप्ति एवं सुधार के लिये होता है।" विस्तार से व्याख्या कीजिए।
"Performance appraisal is not merely for appraisal but is for accomplishment and improvement of performance." Elaborate. 10

6. (b) "श्रमिकों की सहभागिता कार्यस्थलों को लोकतान्त्रिक बनाती है, जबकि सामूहिक सौदेबाजी संघर्ष को संस्थागत रूप देती है।" इस कथन का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।
"Workers' participation democratises workplaces, while collective bargaining institutionalises conflict." Critically evaluate this statement. 20

6. (c) आधुनिक श्रम बाजार परिवर्तन के सन्दर्भ में औद्योगिक संबंधों के क्षेत्र की समीक्षा कीजिये, जिसमें बदलती कार्य पद्धति (पेटर्न), वैश्वीकरण और तकनीकी प्रगति का प्रभाव सम्मिलित हो।
Examine the scope of industrial relations in the light of modern labour market transformations, including the impact of changing work patterns, globalisation and technological advancement. 20

7. (a) अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आइ एल ओ) की क्या भूमिका है तथा इसने भारत में श्रम एवं सामाजिक नीतियों को किस प्रकार प्रभावित किया है ? विस्तार से व्याख्या कीजिये।
What is the role of International Labour Organisation (ILO) and how has it influenced labour and social policies in India ? Elaborate. 20

7. (b) भर्ती को परिभाषित कीजिये। भर्ती की विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिये। आपके विचार में कौनसी विधि विपणन प्रबन्धक जैसे उच्च पद की भर्ती के लिये अधिक उपयुक्त रहेगी ? विस्तार से समझाइये।
Define recruitment. Describe the various methods of recruitment. Which method, in your opinion, will be more suitable to recruit a higher post like marketing manager ? Explain in detail. 20

7. (c) "प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्मिक अप्रचलन को रोकने में सहायक होते हैं।" स्पष्ट कीजिये।
"Training programmes are helpful to avoid personnel obsolescence." Elucidate. 10

8. (a) हमारे राष्ट्र में कार्य संस्कृति में सुधार लाने के लिये क्या-क्या किया जाना चाहिये। उपयुक्त सुझाव दीजिये।
What should be done to improve the work culture in our country ? Give suitable suggestions. 10

8. (b) श्रम संघ को परिभाषित कीजिये। वर्तमान समय में श्रम संघों को कौनसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है ? विस्तार से व्याख्या कीजिये।
Define trade union. What are the challenges faced by trade unions in present time ? Elaborate. 20

8. (c) क्या श्रम संघ सहभागिता तथा कर्मचारी सहभागिता के मध्य कोई भिन्नता है ? दोनों के पक्ष-विपक्ष की विवेचना कीजिये और सुझाव दीजिये कि वे किस प्रकार सह-अस्तित्व में रह सकते हैं।
Is there any difference between union participation and employee participation ? Discuss the pros and cons of both and suggest whether and how they can coexist. 20